



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 71]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 18, 2014/माघ 29, 1935

No. 71]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 18, 2014/MAGHA 29, 1935

नगर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2014

**सा.का.नि. 97(अ).**—चूंकि वायुयान नियम 1937 का और संशोधन करने के लिए वायुयान (संशोधन) नियम, 2012 का प्रारूप वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय की तारीख 18 दिसम्बर, 2012 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 905(अ) के द्वारा प्रकाशित किए गए, जिसे ऐसे व्यक्तियों जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, से राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए भारत के राजपत्र की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गई;

और चूंकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां दिनांक 19 दिसम्बर, 2012 को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थी;

और चूंकि उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के अंदर प्रारूप नियमों के संबंध में किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है;

अतः अब केंद्रीय सरकार, उक्त वायुयान अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 2014 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में (इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), नियम 3 में, उप-खंड (4ख) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

“(4 ग) “वैमानिक उत्पाद” से कोई सिविल वायुयान, वायुयान इंजन या प्रोपेलर अभिप्रेत है।”

3. उक्त नियमों में, नियम 49, 49 क, 49 ख एवं 49 घ में, “वायुयान, वायुयान संघटक एवं उपस्कर की चीज” जहां कहीं वे होते हैं, शब्दों के स्थान पर क्रमशः “वैमानिक उत्पाद” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए।

4. उक्त नियमों में, नियम 49 घ के पश्चात् निम्नलिखित नियमों को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

**“ 49ड. संविदाकारी राज्य द्वारा जारी किए गए वैमानिक उत्पाद के प्रकार प्रमाण पत्र की मान्यता.—**महानिदेशक उस संविदाकारी राज्य द्वारा जारी किए गए किसी वैमानिक उत्पाद की बाबत प्रकार प्रमाण पत्र या अन्य कोई समान दस्तावेज स्वीकार कर सकेगा जिनकी उड़नयोग्यता अपेक्षाएं कम से कम भारतीय कानून के अनुसार स्थापित अपेक्षाओं के समान हो यदि—

- (क) उस देश का उड़नयोग्यता प्राधिकारी जिसमें वह वैमानिक उत्पाद विनिर्मित है, की बाबत प्रकार प्रमाण पत्र या समान ही कोई दस्तावेज जारी किया है;
- (ख) वह महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट उड़नयोग्यता अपेक्षाओं की पूर्ति करता है; और
- (ग) आवेदक वैमानिक उत्पाद की उपयुक्तता या सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए यथा अपेक्षित दस्तावेज और तकनीकी आंकड़े प्रस्तुत करता है ;

परन्तु यह और कि महानिदेशक सुरक्षा हित या लोक हित में आदेश द्वारा लिखित में और ऐसी शर्तों के अधीन जैसी उस आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं, नियम के लागू होने से किसी वैमानिक उत्पाद को छूट दे सकेगा ।

**49च. वैमानिक उत्पाद की बाबत में पूरक प्रकार प्रमाण पत्र जारी करना.—**महानिदेशक, भारत में अभिकल्पित और विनिर्मित किसी भी वैमानिक उत्पाद के संबंध में पूरक प्रकार प्रमाण पत्र जारी कर सकेगा जिसका निम्नलिखित कारणों से संरचनात्मक उपांतरण या उपस्कर की नई चीज का संस्थापन हो चुका है, अर्थात् :-

- (क) उस वैमानिक उत्पाद की सर्विस में ऐसी कमियां विकसित हुई हैं जो उत्पाद की सुरक्षा या निष्पादन को प्रभावित कर सकती है ;
- (ख) उस वैमानिक उत्पाद की आकृति को परिवर्तित करने के लिए प्रचालक की वास्तविक आवश्यकता है; और
- (ग) सुरक्षा बढ़ाने या उपभोक्ता को और अधिक सुविधा प्रदान करने के प्रयोजनार्थ उपस्कर की नई चीजों को परिवर्तित करने या संस्थापित करने की आवश्यकता है ।

**49छ. संविदाकारी राज्य द्वारा जारी किए गए पूरक प्रकार प्रमाण पत्र की मान्यता.—**महानिदेशक, भारत में रजिस्ट्रीकृत वैमानिक उत्पाद की बाबत किसी संविदाकारी राज्य द्वारा जारी किए गए पूरक प्रकार प्रमाण पत्र को स्वीकार कर सकेगा यदि:

- (क) उस संविदाकारी राज्य की उड़नयोग्यता अपेक्षाएं भारतीय कानून के अनुसार स्वीकार्य हैं; और
- (ख) आवेदक द्वारा उत्पाद की सुरक्षा और उड़नयोग्यता की बाबत पर्याप्त साक्ष्य (जिसके अंतर्गत उड़ान परीक्षण भी है, यदि अपेक्षित हों) उपलब्ध कराए गए हैं ।”

**49ज. वायुयान में संघटकों और उपस्कर की चीजों का विनियमन और नियंत्रण.—**वायुयान के संघटक और उपस्कर की जो चीज नियम 49 क से 49 छ के अंतर्गत नहीं आते हैं, वे महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार नियम 133 क के अधीन होंगे ।”

5. उक्त नियमों में, नियम 50 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाए:-

**“50. उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र एवं उड़नयोग्यता समीक्षा प्रमाण पत्र—(1)** किसी वायुयान का स्वामी या प्रचालक वायुयान की बाबत उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र जारी किए जाने या नवीकरण के लिए या अन्यत्र जारी किए गए उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र के विधिमन्यकरण के लिए महानिदेशक को आवेदन कर सकेगा ।

**(2)** महानिदेशक किसी वायुयान की बाबत उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र तब जारी कर सकेगा या नवीकृत कर सकेगा जब—

- (क) आवेदक वायुयान की उड़नयोग्यता से संबंधित ऐसे दस्तावेज या अन्य साक्ष्य पेश करे जैसा विनिर्दिष्ट किया जाए या महानिदेशक साधारण या विशेष आदेश द्वारा, जिनकी अपेक्षा करें; और
- (ख) महानिदेशक का समाधान हो जाए कि वह उड़नयोग्य है ।

**(3)** महानिदेशक किसी ऐसे वायुयान की बाबत जो आयात किया जाए, उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र को विधिमन्य कर सकेगा:

परन्तु यह तब जब—

- (क) उस देश के, जिसमें वायुयान विनिर्मित है, उड़नयोग्यता प्राधिकारी द्वारा उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र या कोई समतुल्य दस्तावेज जारी किया गया हो;
- (ख) उड़नयोग्यता की अपेक्षाओं का, जैसी महानिदेशक द्वारा अधिकथित की जाएं, अनुपालन किया गया हो ; और

- (ग) आवेदक वायुयान संबंधी ऐसे आवश्यक दस्तावेज और तकनीकी आंकड़े पेश करे जो विनिर्दिष्ट किए जाएं और महानिदेशक द्वारा अपेक्षित हों।
- (4) महानिदेशक वायुयान के किसी एक या अधिक प्रवर्गों में, जैसे विनिर्दिष्ट किए जाए, उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र जारी कर सकेगा, नवीकृत कर सकेगा या विधिमान्य कर सकेगा। वायुयान का प्रचालन उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र में प्राधिकृत प्रवर्गों तक ही निर्वहित होगा।
- (5) इन नियमों के अधीन रहते हुए उड़नयोग्यता का प्रमाण पत्र ऐसी अवधि के लिए प्रवृत्त रहेगा जो प्रमाण पत्र में विनिर्दिष्ट की जाए और महानिदेशक उसे समय-समय पर नवीकृत कर सकेगा। इसके अतिरिक्त, महानिदेशक वायुयान का निरीक्षण ऐसे व्यक्ति द्वारा किए जाने की, जो इस निमित्त महानिदेशक द्वारा प्राधिकृत किया जाए, या उड़ान के दौरान परीक्षा किए जाने की या ऐसे निरीक्षण और परीक्षण के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं देगा।
- (6) वैमानिक उत्पाद का कोई उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र तब तक प्रवृत्त या जारी नहीं होगा जब तक महानिदेशक या इन नियमों के अधीन अनुमोदित कोई संगठन लागू उड़नयोग्यता मानकों के अनुसार पुनरीक्षा नहीं कर लेता है और ऐसा उड़नयोग्यता समीक्षा प्रमाण पत्र जारी नहीं कर देता, जो ऐसी प्रक्रियाओं के अनुसार और ऐसी अवधि जैसी महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, के लिए विस्तार किया जा सकेगा।”
6. उक्त नियमों में, नियम 62 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :
- “62 फीसें.— (1) इनमें नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट किसी भी प्रकार का कोई प्रमाणपत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा या विधिमान्य नहीं किया जाएगा जब तक ऐसे प्रमाणपत्र के बाबत उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट फीस का भुगतान नहीं कर दिया जाता है, अर्थात्:—**

**सारणी**

(क) नियम 49 और 49 क के अधीन प्रकार प्रमाणपत्र जारी किया जाना :

(i)	अधिकतम डिजाइन उठान भार वाले वायुयान के लिए— (क) 1000 किलोग्राम या कम (ख) 1000 किलोग्राम से अधिक प्रत्येक 1000 किलोग्राम या उसके भाग के लिए	40,000 रुपये 20,000 रुपये
(ii)	इंजनों के लिए— (क) प्रत्यागामी (ख) टर्बो प्रॉप (ग) टर्बो जैट	4,00,000 रुपये 10,00,000 रुपये 20,00,000 रुपये
(iii)	हेलिकॉप्टरों के लिए—	उप मद के (i) सामने विनिर्दिष्ट फीस के साथ ऐसी फीस का बीस प्रतिशत
(iv)	प्रत्येक वायुयान संघटक, उपस्कर, उपकरण और अन्य ऐसे ही पुर्जों के लिए जब पृथक-पृथक प्रक्रिया की जाए।	40,000 रुपये
(v)	प्रत्येक प्रॉपेलर के लिए जब पृथक-पृथक प्रक्रिया की जाए	4,00,000 रुपये

(ख) नियम 49ख के अधीन प्रकार-प्रमाणपत्र का विधिमान्यकरण:

- (i) प्रचालन के प्रयोजनों के लिए प्रकार—प्रमाणपत्र का विधिमान्यकरण की फीस मद (क) के अधीन देय फीस का पच्चीस प्रतिशत होगी।
- (ii) अनुज्ञप्ति प्राप्त उत्पादन के प्रयोजनों के लिए प्रकार—प्रमाणपत्र के विधिमान्यकरण की फीस मद (क) के अधीन देय फीस का पचास प्रतिशत होगी।
- (ग) नियम 49ड के अधीन भारत में प्रचालन के लिए वैमानिक उत्पाद के प्रकार-प्रमाणपत्र की मान्यता :
- किसी वैमानिक उत्पाद के प्रचालन के प्रयोजन के लिए प्रकार प्रमाणपत्र या समान दस्तावेज को स्वीकार करने की फीस उपर्युक्त मद (ख) के अधीन देय फीस का पच्चीस प्रतिशत होगी।
- (घ) नियम 50 के अधीन उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र जारी करना या विधिमान्य करना या उड़नयोग्यता समीक्षा प्रमाणपत्र जारी करना या विस्तार करना :

(i)	अधिकतम अनुज्ञेय उठान भार वाले विमान हेतु उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र जारी करना—	
	(क) 1000 किलोग्राम या कम	20,000 रुपये
	(ख) 1000 किलोग्राम से अधिक प्रत्येक 1000 किलोग्राम या उसके भाग के लिए	1,000 रुपये
(ii)	उड़नयोग्यता प्रमाण विधिमान्यकरण या नवीकरण	उप-मद (i) के अधीन देय फीस का पचास प्रतिषत
(iii)	उड़नयोग्यता समीक्षा प्रमाणपत्र जारी करना या विस्तारण करना	उप-मद (i) के अधीन देय फीस का पचास प्रतिषत
(iv)	उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या उड़नयोग्यता समीक्षा प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करना	उप-मद (i) के अधीन देय फीस का दस प्रतिषत

(ड.) नियम 61 के अधीन वायुयान अनुरक्षण इंजीनियरों या प्राधिकृत व्यक्तियों या अनुमोदित व्यक्तियों या सक्षमता प्रमाणपत्र धारकों की बाबत अनुज्ञप्ति, प्राधिकार पत्र, अनुमोदन या सक्षमता प्रमाणपत्र जारी किया जाना, नवीकरण करना या पृष्ठांकन करना :

(i)	परीक्षा के लिए	500 रुपये प्रति पेपर
(ii)	अनुज्ञप्ति या रेटिंग जारी करने, उसके विधिमान्यकरण करने, प्राधिकार जारी करने, अनुमोदन या सक्षमता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए	5000 रुपये
(iii)	अनुज्ञप्ति, रेटिंग, प्राधिकार अनुमोदन या सक्षमता प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए	2500 रुपये
(iv)	अनुज्ञप्ति, रेटिंग, प्राधिकार अनुमोदन या सक्षमता प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करने के लिए	500 रुपये

(च) वैमानिक उत्पाद के बाबत में पूरक प्रकार प्रमाणपत्र का जारी करना—

(i)	अधिकतम अनुज्ञेय उठान भार वाले विमान के लिए—	
	(क) 1000 किलोग्राम या कम	10,000 रुपये
	(ख) 1000 किलोग्राम से अधिक, प्रत्येक 1000 किलोग्राम या उसके भाग के लिए	5,000 रुपये
(ii)	इंजनों के लिए—	
	(क) प्रत्यागामी	1,00,000 रुपये
	(ख) टर्बो प्रॉप	2,50,000 रुपये
	(ग) टर्बो जैट	5,00,000 रुपये
(iii)	हेलिकॉप्टरों के लिए उप मद के (i) सामने विनिर्दिष्ट फीस के साथ ऐसी फीस का बीस प्रतिषत	
(iv)	प्रोपेलर	1,00,000 रुपये

(छ) भारतीय सिविल वायुयान रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत वैमानिक उत्पाद के प्रकार की बाबत, भारतीय विधि के अनुसार स्थापित अपेक्षाएं अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के उस संविदाकारी राज्य जिसकी उड़नयोग्यता अपेक्षाएं कम से कम समान हों, द्वारा जारी पूरक प्रकार प्रमाणपत्र की मान्यता— (1) वैमानिक उत्पाद के पूरक प्रकार प्रमाणपत्र की मान्यता की फीस मद (च) की उप-मद (i) से (iv) के अधीन देय फीस का पच्चीस प्रतिषत होगी।

**टिप्पणः**—इस नियम के प्रयोजन के लिए अधिकतम अनुज्ञेय उठान भार वायुयान उड़ान मैनुअल में दर्शित के अनुसार होगा।

(ज) यदि उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट निरीक्षण, परीक्षा या परीक्षण भारत से बाहर किसी स्थान पर किया जाना अपेक्षित है तो एक लाख पचास हजार रुपये की अतिरिक्त राशि देय होगी।

(2) फीस का संदाय वेतन एवं लेखा अधिकारी, नागर विमानन महानिदेशालय, नागर विमानन मंत्रालय, नई दिल्ली-110003 के पक्ष में आहरित क्रॉस भारतीय पोस्टल ऑर्डर या मांगदेय ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा।

(3) जहां किसी कारण से कोई अनुज्ञप्ति या प्राधिकार पत्र या प्रमाणपत्र, यथास्थिति, जारी नहीं किया जाता है, नवीकृत नहीं किया जाता है या विधिमान्य नहीं किया जाता है, वहां महानिदेशक आवेदक को संदत फीस के ऐसे भाग का प्रतिदाय कर सकेगा जो यथास्थिति, किसी परीक्षा या परीक्षण या निरीक्षण जो नहीं किया गया हो, या जारी या नवीकृत या विधिमान्य न की गई अनुज्ञप्ति, प्राधिकार पत्र या प्रमाणपत्र के खर्च के बराबर है।

3. उक्त नियमों में, नियम 133ख में, उप-नियम (1) में,—

- (क) खंड (क) में उप खंड (ii) में, “वायुयान संघटकों और उपस्कर की चीजों” शब्दों के स्थान पर, वैमानिक उत्पादों और “वायुयान का सतत उड़न योग्यता प्रबंधन” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;
- (ख) खंड (ख) में, “क्वालिटी नियंत्रण निर्देशिका, डिजाइन निर्देशिका”, शब्दों के स्थान पर, “क्वालिटी निर्देशिका, अनुरक्षण संगठन प्रदर्शन, सतत उड़न योग्यता अनुरक्षण प्रदर्शन, अनुरक्षण संगठन निर्देशिका, उत्पादन संगठन प्रदर्शन, डिजाइन संगठन प्रदर्शन” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए।

□[फा. सं. एवी. 11012/2/2011-ए]

अनिल श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

**टिप्पण :-**मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना सं. वी-26 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए और अंतिम संशोधन सा.का.नि. सं. 535(अ) द्वारा तारीख 05 जुलाई, 2012 को प्रकाशित भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II ,खंड 3, उप-खंड (i) में 05 जुलाई, 2012 को किए गए थे।

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th February, 2014

**G.S.R. 97(E).**—Whereas the draft of the Aircraft (Amendment) Rules, 2012 further to amend the Aircraft Rules, 1937, was published, as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), vide notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation, number G.S.R. 905(E), dated 18<sup>th</sup> December, 2012, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to public;

And whereas copies of the said notification were made available to the public on the 19<sup>th</sup> December, 2012;

And whereas no objections or suggestion have been received from any person in respect of the draft rules within the period specified in the said notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Aircraft Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2014.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 3, after clause (4B), the following clause shall be inserted, namely:—

“(4C) “Aeronautical product” means any civil aircraft, aircraft engine or propeller.”

3. In the said rules, in rules 49, 49A, 49B and 49D, for the words “aircraft, aircraft component and items of equipment” wherever they occur, the words “aeronautical product” shall respectively, be substituted.

4. In the said rules, after rule 49D, the following rules shall be inserted, namely:—

**“49E. Recognition of Type Certificate of an aeronautical product issued by a Contracting State.**—The Director-General may accept the Type Certificate or any other similar document in respect of an aeronautical product issued by a Contracting State whose airworthiness requirements shall be at least equal to the requirements established in accordance with the Indian law, if-

- (a) the airworthiness authority of the State in which it is manufactured has issued a Type Certificate or a similar document in respect of that aeronautical product;
- (b) it meets with the airworthiness requirements specified by the Director-General; and
- (c) the applicant furnishes documents and technical data as may be required to assess the suitability or safety of the aeronautical product:

Provided further that the Director-General may in the interest of safety and public interest, by order in writing and subject to such conditions as he may specify in the order, exempt any aeronautical product from the application of this rule.

**49F. Issue of Supplemental Type Certificate in respect of an aeronautical product.**— The Director-General may, issue a Supplemental Type Certificate in respect of any aeronautical product designed and manufactured in India, which has undergone a structural modification or installation of new item of equipment on account of the following reasons, namely:—

- (a) the aeronautical product in-service has developed deficiencies that may affect the safety or performance of the product;
- (b) there is a genuine need of the operator to change the configuration of the aeronautical product; and
- (c) there is a need to change or install new item of equipment for the purpose of enhancing safety or to bring in more user comfort.

**49G. Recognition of Supplemental Type Certificate issued by a Contracting State.**— The Director-General may accept a Supplemental Type Certificate issued by a Contracting State in respect of the aeronautical product registered in India, if,—

- (a) the airworthiness requirements of that Contracting State are acceptable in accordance with the Indian law; and
- (b) sufficient evidence is provided (including flight tests if required) by the applicant in respect of the safety and airworthiness of the product.

**49H. Regulation and control of aircraft components and items of equipment.**—The aircraft components and items of equipment not covered under rule 49A to 49G shall be in accordance with the requirements specified by the Director-General under rule 133A”.

5. In the said rules, for rule 50, the following rule shall be substituted, namely:—

**“50. Certificate of airworthiness and airworthiness review certificate.**— (1) The owner or operator of an aircraft may apply to the Director-General for the issue of a certificate of airworthiness in respect of the aircraft or for the validation of a certificate of airworthiness issued elsewhere in respect of the aircraft.

- (2) The Director-General may issue a certificate of airworthiness in respect of an aircraft when-
  - (a) the applicant furnishes such documents or other evidence relating to the airworthiness of the aircraft as may be specified and as the Director-General may require by special or general order, and
  - (b) the Director-General is satisfied that it is airworthy.
- (3) The Director-General may validate a certificate of airworthiness in respect of any aircraft that may be imported:

Provided that—

- (a) the airworthiness authority of the country in which the aircraft is manufactured, has issued a certificate of airworthiness or such equivalent document;
- (b) the airworthiness requirements as may be laid down by the Director-General are complied with; and
- (c) the applicant furnishes necessary documents and technical data relating to the aircraft as may be specified and as the Director-General may require.
- (4) The Director-General may issue or render valid a certificate of airworthiness in one or more of the categories of aircraft as may be specified. The operations of the aircraft shall be restricted in those categories authorised in the certificate of airworthiness.
- (5) Subject to these rules, a certificate of airworthiness shall remain in force subject to such conditions as may be specified by the Director-General. In addition, the Director-General may require the aircraft to be inspected by a person authorised in this behalf by the Director-General or tested in flight, or to be so inspected and so tested and the owner or operator of the aircraft shall give all necessary facilities for such inspection and tests.
- (6) A certificate of airworthiness of an aeronautical product shall not be in force or continue unless the Director-General or an organisation approved under these rules carries out a review of compliance with applicable airworthiness standards and issue an airworthiness review certificate, which may be extended in accordance with such procedures and for such periods as may be specified by the Director-General”.

6. In the said rules, for rule 62, the following rule shall be substituted, namely: —

“62. Fees.— (1) No certificate of any of the kinds specified in the Table herein below, shall be issued or validated unless in respect of such certificate there be paid a fee specified in the said Table, namely:—

TABLE

## (A) Issue of Type Certification under rule 49 and 49A :

(i)	for an aircraft having maximum design take-off weight— (a) of 1,000 kilograms or less (b) exceeding 1,000 kilograms, for every 1000 kilograms or part thereof	Rs. 40,000 Rs. 20,000
(ii)	for engines— (a) Reciprocating (b) Turbo prop (c) Turbo jet	Rs. 4,00,000 Rs. 10,00,000 Rs. 20,00,000
(iii)	for helicopters-	Fees specified against sub-item (i) plus twenty percent of such fee.
(iv)	for each aircraft component, equipment, instrument and other similar part, when processed individually	Rs. 40,000
(v)	for each propeller, when processed individually	Rs. 4,00,000

## (B) Validation of Type Certificate under rule 49B:

- (i) The fee for validation of Type Certificate for the purposes of operation shall be twenty five percent of the fee payable under item(A).
- (ii) The fee for validation of Type Certificate for the purposes of licensed production shall be fifty percent of the fee payable under item(A).

## (C) Recognition of type certificate of an aeronautical product for operation in India under rule 49E :

The fee for acceptance of type certificate or similar document of an aeronautical product for the purpose of operation shall be twenty five percent of the fee payable under above item (B).

## (D) Issue or validation of Certificate of Airworthiness, issue or extension of airworthiness review certificate under rule 50 :

(i)	Issue of Certificate of Airworthiness for an aircraft having maximum permissible take-off weight— (a) of 1,000 kilograms or less (b) exceeding 1,000 kilograms, for every 1,000 kilograms or part thereof	Rs. 20,000 Rs. 1,000
(ii)	Validation or renewal of Certificate of Airworthiness payable under sub-item	Fifty percent of the fees payable under sub-item(i).
(iii)	Issue or extension of Air worthiness Review certificate	Fifty percent of the fees payable under sub-item (i).
(iv)	Issue of duplicate certificate of airworthiness or Airworthiness Review Certificate	Ten percent of the fee payable under sub-item (i)

## (E) Issue, renewal or endorsement in the scope of a license, Authorisation, Approval or Certificate of Competency in respect of Aircraft Maintenance Engineers or Authorised persons or Approved persons or Certificate of Competency holders under rule 61:

(i)	for examination	Rs. 500 per paper.
(ii)	For issue or validation of license Or rating, Authorisation, Approval Or Certificate of Competency	Rs. 5,000
(iii)	For renewal of license, rating, Authorisation, Approval or Certificate of Competency	Rs. 2,500
(iv)	For issue of duplicate license, Rating, Authorisation, Approval or Certificate of Competency	Rs. 500

## (F) Issue of supplemental Type Certificate in respect of an aeronautical product—

(i)	For an aircraft having maximum design take-off weight-	
	(a) of 1,000 kilograms or less	Rs. 10,000
	(b) exceeding 1,000 kilograms, for every 1,000 kilograms or part thereof	Rs. 5,000
(ii)	for engines -	
	(a) Reciprocating	Rs. 100,000
	(b) Turbo prop	Rs. 2,50,000
	(c) Turbo Jet	Rs. 5,00,000
(iii)	For helicopters Fees specified against sub-item (i) plus twenty percent of such fee.	
(iv)	Propellers	Rs. 100,000

- (G) Recognition of Supplemental Type Certificate issued by an International Civil Aviation Organisation Contracting State whose airworthiness requirements are at least equal to the requirements established in accordance with the Indian law in respect of the type of aeronautical product registered in the Civil Aircraft Register of India.—The fee for recognition of Supplemental Type Certificate of an aeronautical product shall be twenty five percent of the fee payable under sub-items (i) to (iv) of item (F).

**Note :—**The maximum permissible take-off weight for the purposes of this rule shall be as indicated in the Flight Manual of the aircraft.

- (H) An additional amount of one lakh fifty thousand rupees shall be payable if the inspection, examination or test specified in sub-rule (1) is required to be carried out at any place outside India.
- (2) The fee shall be paid by crossed Indian Postal Order or Demand Draft drawn in favour of the Pay and Accounts Officer, Director General of Civil Aviation, Ministry of Civil Aviation, New Delhi-110 003.
- (3) Where for any reason, the license or authorisation or certificate, is not issued renewed or validated, as the case may be, the Director-General may refund to the applicant such portion of the fees paid as represents the cost of any examination or test or inspection not carried out or any license, authorisation or a certificate not issued or renewed or validated, as the case may be”.
3. In the said rules, in rule 133B, in sub-rule (1),—
- (a) in clause (a), in sub-clause (ii), for the words, “aircraft components and items of equipment”, the words “aeronautical products and continuing airworthiness management of an aircraft” shall be substituted;
- (b) in clause (b), for the words, “Quality Control Manual, Design Manual”, the words, “Quality Manual, Maintenance Organisation Exposition, Continuing Airworthiness Management Exposition, Maintenance Organisation Manual, Production Organisation Exposition, Design Organisation Exposition” shall be substituted.

[F. No. AV. 11012/2/2011-A]

ANIL SRIVASTAVA, Jt. Secy.

**Note:—**The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended *vide* notification number G.S.R. 535 (E), dated the 5th July, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section (3), Sub-section (i), on the 5th July, 2012.